भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.03.2022 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3435 का उत्तर

तमकोही रोड़-छितौनी रेल परियोजना

3435. श्री सुनील कुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि;

(क) क्या तमकोही रोड़-छितौनी रेल परियोजना जिसकी आधारशिला 2007 में रखी गई थी, अभी भी लंबित पड़ी है और यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य क्या हैं;

(ख) क्या इस परियोजना पर अब तक लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं और विगत तीन वर्षों के दौरान इस परियोजना पर कोई कार्य नहीं किया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का इस परियोजना को पूरा करने का प्रस्ताव है; और

(ड) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

तमकोही रोड़-छितौनी रेल परियोजना के संबंध में 23.03.2022 को लोक सभा में श्री सुनील कुमार के अतारांकित प्रश्न संख्या 3435 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): छितौनी-तमकोही रोड (62.6 कि.मी.) नई लाइन परियोजना को वर्ष 2006-07 में स्वीकृत किया गया था। इस परियोजना की नवीनतम प्रत्याशित लागत 893 करोड़ रु. है। 116.43 करोड़ रु. का कुल व्यय किया गया है। इस परियोजना में बिहार में 381 एकड़ भूमि और उत्तर प्रदेश में 190 एकड़ भूमि का अधिग्रहण शामिल है। बिहार में भूमि के अधिग्रहण हेतु कुल 60.04 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। पनियाहवा छितौनी के बीच 3.70 कि.मी. खंड पर कार्य पूरा कर लिया गया है तथा छितौनी-जाथा (10 कि.मी.) खंड में मिट्टी संबंधी कार्य, छोटे पुलों, ऊपरी सड़क पुल संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

भारतीय रेल द्वारा सभी परियोजनाओं की अंतिम स्थान संपर्कता, मिसिंग लिंक, परियोजना पर यातायात संभावना, क्षमता संवर्धन, भूमि की उपलब्धता, वन/वन्य जीव संबंधी क्लीयरेंस आदि के आधार पर समीक्षा की जाती है और इस समीक्षा के आधार पर रेल परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। इस समय, भारतीय रेल का ध्यान क्षमता संवर्धन परियोजनाओं और अंतिम स्थान संपर्कता परियोजनाओं के समापन पर केंद्रित है।

रेलवे परियोजना(ओं) का समय से पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, बाधक जनोपयोगी सेवाओं की शिफ्टिंग, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना साइट के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थिति को ध्यान में रखते हुए परियोजना विशेष की साइट के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या, परियोजना की प्राथमिकता आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजना के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

वर्ष 2014 से, अवसंरचनात्मक परियोजनाओं एवं संरक्षा कार्यों हेतु बजट आवंटनों में पर्याप्त वृद्धि की गई है और परियोजनाएं पूरी की जा रही हैं। 2014-19 के दौरान, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन, 1,109 करोड़ रुपए प्रति वर्ष (2009-14 के दौरान) से बढ़ाकर 5,278 करोड़ रुपए प्रति वर्ष किया गया है, जो 2009-14 के औसत आबंटन की तुलना में 376% अधिक है। इन परियोजनाओं हेतु बजट आबंटन को वित्त वर्ष 2019-20 में बढ़ाकर 8,403 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 658% अधिक) और वित्त वर्ष 2020-21 में बढ़ाकर 8,576 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 673% अधिक), वित्त वर्ष 2021-22 हेतु 14,128 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 1174% अधिक) किया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए, इन परियोजनाओं हेतु अभी तक का सर्वाधिक 14,761 करोड़ रु. का बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक परिव्यय की तुलना में 1231% अधिक है।

वर्ष 2014-21 के दौरान, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली 2032 कि.मी. (204 कि.मी. नई लाइन, 631 कि.मी. आमान परिवर्तन और 1197 किमी. दोहरीकरण) परियोजनाओं को 290.29 कि.मी. प्रति वर्ष की औसत दर से पूरा किया गया है जो कि वर्ष 2009-14 (199.2 कि.मी. प्रति वर्ष) के दौरान औसत कमीशनिंग से 46% अधिक है।

2014-19 के दौरान, बिहार राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचनात्मक परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन, 1,132 करोड़ रुपए प्रति वर्ष (2009-14 के दौरान) से बढ़ाकर 3,061 करोड़ रुपए प्रति वर्ष किया गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 170% अधिक है। इन परियोजनाओं हेतु बजट

आबंटन को वित्त वर्ष 2019-20 में बढ़ाकर 4,093 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 262% अधिक) और वित्त वर्ष 2020-21 में 4,489 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 297% अधिक) और वित्त वर्ष 2021-22 हेतु बढ़ाकर 5,560 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 391% अधिक) किया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 हेतु इन परियोजनाओं हेतु अभी तक का सर्वाधिक 6,606 करोड़ रु. का उच्चतर बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक बजट आबंटन से 484% अधिक है।

वर्ष 2014-21 के दौरान, बिहार राज्य में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली 968 कि.मी. (317 कि.मी. नई लाइन, 345 कि.मी. आमान परिवर्तन और 306 कि.मी. दोहरीकरण) परियोजनाओं को 138.29 प्रति वर्ष की औसत दर से पूरा किया गया है जो 2009-14 के दौरान पूरे किए गए कार्य (63.6 कि.मी. प्रति वर्ष) से 117% अधिक है।

****